वयं राष्ट्रे जाग्रयाम पुरोहिताः

Govt. Girls' P.G. College, Ujjain (M.P.)

(Established in 1958)

A Centre for Excellence, "A" Graded by NAAC in Two Cycles

Affiliated to Vikram University, Ujjain

Internal Quality Assurance Cell

Sample Reports
Add On/ Value Added/Certificate Courses

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

रिपोर्ट ऐड ऑन कोर्स Date: वर्तनी सुधार

15 दिवसीय कोर्स की अवधि 5/9/18 से 20/9/18

निश्चित रूप से प्रथम दिवस उनको समझाने में लगा- वर्तनी की बात प्राथमिक स्तर पर होती है। उसके बाद वह भूल जाते हैं; और छोटी उम्र में गंभीरता से नहीं लेते हैं।

यह कोर्स उन्हें अपनी भाषा से परिचित करवाता। शुद्ध लेखन, शुद्ध उच्चा उच्चारण सिखाता है जो निश्चित रूप से अपने व्यक्तित्व का विकास में सहायक होगी।

ऐसे कार्यक्षेत्र में जहाँ वे जायेंगी, अपनी वर्तनी से प्रभावित करेंगी।

खास तौर पर ये वर्तनी दोष निवारण कार्यक्रम उन्हें प्रतियोगी परीक्षा हेतु भी तैयार करती है।

जिनका माध्यम हिन्दी रहा हो, अथवा जिन्होंने अपने प्रारम्भिक विषय अथवा यू कहें कि Basic. Subject हिन्दी रहे; उनके लिए यह 'मील का पत्थर' साबित होगी

शुद्ध भाषा अलग प्रभाव डालती है भाषा अच्छी व दोष रहित हो उससे व्यक्ति में Confidence आता है

छात्रों ने भी बताया ये कोर्स हमारे लिए अत्यन्त उपयोगी है।

छात्राओं ने जब प्रशिक्षित छात्राओं से कोर्स के लिए सुना व उनकी विशेषताओं को सुना अन्य छात्राएँ मेरे पास आकर पुन: कोर्स करने के लिए मांग की

यह महामारी कुछ अपनी समस्याओं के चलते डा० अन्य वर्षों में सम्भव नहीं हो पाया।

अगर व्यवस्था ठीक चलती रही तो सभी कालेज

रिपोर्ट – लेखन-कौशल 6/9/19 से 22/9/19

दिनांक 6/9/19 को 'लेखनी कौशल' विषय पर वेल्यू ऐडेड कोर्स हिन्दी विभाग द्वारा 15 दिवस का कोर्स करवाया गया।

जिसमें छात्राओं ने कुछ-न-कुछ सीखा अवश्य है।

इसमें विभाग के प्राध्यापक साथियों ने लेखन के मुख्य घटकों की चर्चा की। जैसे कि – लिखते समय सर्व प्रथम ये चयन करें कि हम किस विधा में अपने विचारों की अभिव्यक्ति कर सकते हैं कविता, कहानी, लेख, निबंध, संस्मरण, यात्रा वृतांत, आत्मकथा, नाटक, एकांकी आदि, में से लेखन विधा को चुनना।

अतः छात्रों को यह भी बताया जिस विषय पर अपनी अभिव्यक्ति व्यक्त करना है, उसमें जितने मन में भाव उत्पन्न होते हैं उसे एक कागज पर लिखते चलें।

पश्चात, क्रमबद्ध तरीके से उन शब्दों का चयन करके माला में पिरोते चले जाएं।

इस कार्यशाला में मतदाता जागरूकता पर भी स्लोगन लिखना सिखाए गये।

कार्यक्रम की उपलब्धि यही रही कि छात्राओं ने सक्रिय भागीदारी से इस कोर्स को पूरा किया। अंत में उसकी उपयोगिता तथा क्या सीखा यह भी बताया गया।

अन्त में कुछ छात्राओं ने विभिन्न विधाओं में जो भी सीखा वह छात्राओं ने अपने प्रतिवेदन स्मरणिका रूप में इस पंजी में सुरक्षित है।

(कोर्स संयोजक)

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

व्यक्तित्व विकास एवम् सॉफ्ट स्किल
एक रिपोर्ट

शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा, एक फ्री 21 दिवसीय, एड ऑन कोर्स व्यक्तित्व विकास एवम् सॉफ्ट स्किल्स पर दिनांक 11/10/2018 को प्रारम्भ किया गया।

कोर्स का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को व्यक्तित्व व्यक्तित्व विकास के साथ व्यवहारों को धनात्मक रूप से बढ़ाना या इनहेन्स करना था। ताकि वे अपने जीवन में इसे अपना सकें।

प्रथम दिवस सत्र उद्घाटन से हुआ जिसमें महाविद्यालय की प्राचार्य एवम् विभाग के प्राध्यापक व छात्राएं उपस्थित रहीं। विभागाध्यक्ष ने प्राचार्य का स्वागत किया एवम् कोर्स के मुख्य उद्देश्यों को रेखांकित किया। प्राचार्य द्वारा छात्राओं को नियमित उपस्थिति एवम् कोर्स की महत्ता पर प्रकाश डाला गया।

द्वितीय दिन दिनांक 12/10/18 को डॉ. प्रतिमा श्रीवास्तव द्वारा संप्रेषण कौशल पर व्याख्यान दिया गया, ताकि छात्राएं संप्रेषण कौशल के मुख्य बिन्दुओं को ज्ञान अर्जित कर सकें। इसी तरह अन्य दो दिवसीय कोर्स में प्रभावशाली संप्रेषण कौशल एवम्, कॉन्फीडेंस कैसे विकसित करें सिखाया गया।

दिनांक 15 से 16 अक्टूबर तक डॉ. निरवत परवीन अहमद द्वारा, पढ़ना एवम्/लिखना/सुनना एवम् प्रस्तुत करना (Reading/Writing/Listening/

Presentation) कौशल पर व्याख्यान एवम् प्रशिक्षण दिया गया। प्रस्तुतीकरण कौशल में भाषा, शारीरिक मुद्रा एवम् मुखाकृति अभिव्यक्तियों का प्रस्तुतीकरण छात्राओं से भी करवाया गया।

अन्य दिनो में श्रोताओ के सम्मुख प्रस्तुतीकरण के अलावा, 'दृश्य एवम् श्रव्य' माध्यम से प्रस्तुतीकरण के कौशल सिखाए गए।

दिनांक 18 से 20 अक्टूबर को डॉ. विक्रान्त शाह द्वारा 'SWOT' विश्लेषण एवम् 'SMART Goal' पर व्याख्यान एवम् प्रशिक्षण दिया गया। छात्राओं ने SWOT का पूर्ण रूप जाना एवम् जीवन में इसे किस तरह उपयोग में लाए सीखा।

दिनांक 22 से 24 अक्टूबर को डॉ. अर्चना श्रीवास्तव द्वारा 'समय प्रबंधन' एवम् अच्छे समय प्रबंधन का प्रशिक्षण, कौशल सिखाया गया।

दिनांक 25 से 30 अक्टूबर को साक्षात्कार कौशल सिखाया गया। छात्राओ को मोक साक्षात्कार प्रशिक्षण, एवम् नौकरी ओर साक्षात्कार का प्रदर्शन कैसे करें सीखाया गया।

इस तरह 21 दिवसीय कौशल एवम् एड ऑन कोर्स में छात्राओं ने व्यक्तित्व के सॉफ्ट स्किल्स को सीखा। कार्यक्रम का समापन 31/10/18 को किया गया। इस कोर्स में एम. ए. I / III एवम् बी. ए. तृतीय वर्ष की कुल 32 छात्राऐं उपस्थित रहीं।

Ahmed
HOD Psychology

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

Curriculum Implementation Plan

Add on Course on NatyaPrashiskhan

Dept.of Sanskrit, Govt. Girls P.G. College, Ujjain, M.P.

नाट्य के पूर्व प्रशिक्षण (रिपोर्ट)

थिएटर के विविध आयामों पर एक 20 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है। दुनिया भर की सभी संस्कृतियों में, स्कूलों में नाटक/थिएटर के शिक्षक बच्चों की स्वाभाविक क्षमता और खेलने की क्षमता कोरूपांकितकरते हैं और अपने अध्ययन के कार्यक्रमों में इसका विस्तार करते हैं।थिएटर कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागियों को भावों की अभिव्यक्तियाँ और अभिनय में उच्चारण के महत्त्व से अवगत कराया जाएगा इसके साथ ही अभिनय में प्रभावी संवाद, सीनवर्क, स्क्रिप्टरीडिंग, मूवमेन्ट्स, ध्वनि एवं वस्त्रविन्यास आदि महत्वपूर्ण तथ्यों से छात्रों को शिक्षित किया जा सकेगा जिसके माध्यम से वे अपनी रचनात्मकता को प्रस्तुत करने का प्रयास कर सकते हैं। वर्तमान समय में ऐसे कई विकल्प उपलब्ध हैं जो प्रतिभागियों को एक अभिनेता, निर्देशक, लेखक, डिजाइनर के रूप मेंअपनी पसंद के अनुररूपकरियर चुनने की स्वतंत्रता देते हैं।

कार्यशाला के अन्तर्गत दिए जाने वाले प्रशिक्षण का सविस्तार विवरण निम्नांकित है।

स्क्रिप्टरीडिंग (७ दिन का कार्यक्रम) ---

- स्क्रिप्टरीडिंग के माध्यम से प्रतिभागियों के उच्चारण और वॉईसमाइयूलेशन पर जोर दिया जाएगा। आम जीवन में उपयोग की जाने वाली भाषा में सभी उल्लिखित गलतियाँ करते हैं स्क्रिप्टरीडिंग से उन गलतियों की पहचान की जा सकेगी और छात्रों की वर्तनी शुद्ध एवं स्पष्ट होगी।डायलाग बोलने में उतार-चढाव, कामा-फुलस्टाप आदि का उच्चारण के समय ध्यान रखना आदि भी वे

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

सीखेंगे। इस कार्य हेतु बच्चों के साथ कार्य करने में ७ दिवस का समय लगना स्वाभाविक है।

वार्मअपएक्सरसाइज (प्रतिदिन) ---

- वार्मअप या शारिरिक व्यायाम प्रक्रिया केवल व्यायाम तक सीमित नहीं है इसके अन्तर्गत ऐसी एक्सरसाईज़ शामिल है जो चित्त (मानव मस्तिष्क) को एकाग्र करने में सहायक होगी।किसी पात्र को अभिनय करने में एकाग्रता और अनुशासन दोनों ही आवश्यक होते हैं। इस सेशन के अन्तर्गत प्रतिभागी इसका अभ्यास प्रतिदिन करेंगे। इस का प्रयोग अभिनय के समय पात्रों के लिए अति उपयोगी सिद्व होगा।

रङ्गमञ्चक्रीडा (संवाद के साथ ऐक्शन)---

संगीत एवं ताल इन दोनों की कला साधनों का प्रशिक्षण, थिएटर सीखने वाले व्यक्तियों के लिए अनिवार्य होता है। यह कहा जा सकता है कि संगीत और रंगमंच एक दूसरे के पूरक हैं। कार्यशाला के इस सेशन में प्रतिभागियों के संगीत का बेसिक नॉलेज दिया जाएगा और थिएटर में संगीत के महत्व एवं उपयोग करने के तरीकों से अवगत कराया जाएगा।

शरीरसञ्चालन सत्र ---

- भाव अभिव्यक्तियाँ भी थिएटर का एक महत्वपूर्ण अंग है फेशियल और शारिरिक अभिव्यक्तियों या संरचनाओं के द्वारा ही नौ रसों में निहित भावों को अभिव्यक्त किया जाता है। इस सेशन में हम नौ रसों और उनके भावों तथा उससे सम्बन्धित अन्य आवश्यक तथ्यों का प्रशिक्षण प्रतिभागियो को देंगे जिससे वे अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन कर सकेंगे।

रङ्गमञ्च के विविध भेद का ज्ञान ---

- भारतीय रंगमंच की विविधताओं के बारे में भी प्रतिभागियों को शिक्षित किया जाएगा। अलग – अलग क्षेत्रों की स्थानीय परंपराओं और सांस्कृतिक मूल्यों को

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

उनकी पारंपरिक शैलियों में अभिनीत करने की कला पर चर्चा, थिएटर जगत की विभूतियों जैसे श्री रतन थिआम, श्री हबीबतनवीर, श्री गिरीशकरनाड़ आदि के द्वारा लिखित नाटकों पर चर्चा के साथ ही प्रेमचंद एवं दिनकर जैसे महान साहित्यिक रचनाकारों के बारे में इस सेशन में चर्चा की जाएगी।

सेट्स के बारे में प्रशिक्षण ---

- मंच एवं वस्तु विन्यास के माध्यम से नाटक में सहायक वस्तुओं के निर्माण।डिजाइनिंग से सम्बन्धित कार्यों का प्रशिक्षण।कोस्ट्यूम्स(वस्त्र) अरेंजमेन्टस एवं डिजाईनिंग। अलग –अलग विधाओं के नाटकों के लिए आवश्यक सामग्रियों के संकलन एवं उपयोग कला पर चर्चा।सेटडिजाईनिंग के विविध आयामों पर चर्चा इस सेशन के प्रमुख बिन्दु हैं। इस सत्र से प्रशिक्षु को विविध प्रकार एवं विविध समयों में खेले जाने वाले नाटकों में सहायक mop का उपयोग सीख सकेंगे।

इम्प्रोवाइजेशन(तत्काल रचनात्मकता) सत्र ---

- इम्प्रोवाइजेशन सेशन के माध्यम से प्रतिभागियों को नाटक में इम्प्रोवाईज करने का अभ्यास कराया जाएगा। नाटक में निहित मर्म को नष्ट न करते हुए अपनी रचनात्मकता के द्वारा दर्शकों का मनोरंजन करने की प्रक्रिया इम्प्रोवाइजेशन कहलाती है इसके लिए पूर्वाभ्यास एवं सही प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है।कार्यशाला के इस सेशन में इम्प्रोवाइजेशन के आयामों पर चर्चा की जाएगी। इस सत्र में प्रशिक्षु भावों का सही तरीके से प्रयोग करने समर्थ होगा और रस की अभिव्यक्ति दर्शकों को भली प्रकार हो सके इस बात का प्रयास कर सकेगा।

लघु नाट्य प्रस्तुति ---

- कार्यशाला के अंत में सभी प्रतिभागियों के द्वारा उनको प्राप्त प्रशिक्षण के आधार पर एक लघु नाटक तैयार कर उसका मंचन किया जाएगा इस अंतिम पड़ाव के द्वारा प्रतिभागियों को थिएटर के मंचीय अनुशासनों से अवगत कराया जाएगा साथ ही मंच पर एंट्री–एग्ज़िट, ब्लाकिंग, पोजिशनिंग आदि से संबंधित नियमों

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

का प्रशिक्षण, बैक–स्टेज एवं ऑनस्टेज की सामग्रियों (थिएटर प्राप्स) का विस्थापन इत्यादि का प्रशिक्षण दिया जाएगा .

उपरोक्त बिन्दुओं के प्रशिक्षण माध्यम से एक सीमित समय में थिएटर के बेसिक नॉलेज का प्रशिक्षण विद्यार्थियों को दिया जा सकता है। थिएटर ही एक ऐसा माध्यम है जो व्यक्ति के भीतर आत्मविश्वास का संचार करता है और उसे अनुशासित करता है जो उसे जीवन पर्यन्त किसी भी क्षेत्र में आगे बढने में सहायक होता है। इस कार्यशाला के माध्यम से हम छात्रों को उनकी रचनात्मकता का प्रदर्शन करने के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध करा सकते हैं।

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

प्रतिवेदन

Add on Course -

Paradigm of Wellness Nutrition

शास० कन्या स्नातकोत्तर महा० उज्जैन के गृहविज्ञान विभाग तथा विज्ञान परिषद् प्रयाग म० प्र० चैप्टर के संयुक्त तत्वावधान में 12 दिवसीय Add on Course का आयोजन दिनांक 23/7/21 से प्रारंभ किया गया। Add on Course में लगभग 80 छात्राओं तथा प्राध्यापकों ने भागीदारी की।

पाठ्यक्रम का आयोजन गृहविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ० शशिप्रभा जैन के संयोजकत्व में हुआ। प्रथम दिवस डॉ. मेधा दुबे द्वारा 'Smart Sport - Nutrition way to Olympics" पर ज्ञानवर्धक प्रस्तुतीकरण किया गया। खिलाड़ी छात्राओं के पोषण के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा की गयी।

द्वितीय दिवस डॉ. शशिप्रभा जैन द्वारा "Mental Health and wellness" पर ज्ञानवर्धक व्याख्यान किया गया। व्यक्ति की मानसिक अवस्था किस प्रकार उसके कल्याण से जुड़ी है तथा इसमें पोषण की उचित भूमिका क्या है। इस पर प्रभावशाली प्रस्तुतिकरण आपके द्वारा किया गया। पाठ्यक्रम के तीसरे दिन "Nutrition Related Non Communicable diseases" पर व्याख्यान डॉ० कामना निगम द्वारा किया गया। विश्वभर में होने वाली मृत्युओं के 60% वजह में मधुमेह और श्वसन रोग, हृदय रोग और कैंसर मुख्य कारण है। WHO के अनुसार 41 मिलियन लोग हर वर्ष non communicable diseases से मरते हैं। इस संबंध में आपने आँकड़ों और तथ्यों के साथ अपनी बात कहते हुए Metabolic Risk factors पर चर्चा की। Unhealthy life style को इसका मुख्य कारण बताया। NCD को नियंत्रित करने के उपायों पर चर्चा की गयी। पाठ्यक्रम के चतुर्थ दिवस डॉ० अनुराधा अवस्थी द्वारा, "Agronomical considerations of Bone Health" पर जानकारी वर्धक व्याख्यान PPT के माध्यम से प्रस्तुत किया

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

... पाठ्यक्रम में ... डॉ० मुनीरा हुसैन, प्रोफेसर फूड एंड
ग्या। ... इंदौर ने अपने उद्बोधन में कुपोषण को Immuno-
न्यूट्रिशन, ... का सबसे आम कारण बताया। आपने पोषण को
deficiency का सबसे महत्वपूर्ण निर्धारक तत्व
शरीर की प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण निर्धारक तत्व
बताते हुए विभिन्न nutrients का Immunity बढ़ाने में
महत्व एवं भूमिका बताई। Over Nutrition तथा obesity को
anti Immunity factor बताया। Different Age Stages में
Micro Nutrients की भूमिका तथा उन्हें कैसे Immunity बढ़ाने
के लिए उपयोग किया जाए इस पर विस्तारपूर्वक जानकारी
दी। अपने उद्बोधन में आपने Dietary Myths तथा
उनके स्पष्टीकरण भी वैज्ञानिक तरीके से समझाए।
छठे दिवस डॉ० रचना गंगराड़े (Dietician) द्वारा obesity
and Health Assessment पर व्यावहारिक और उपयोगी
व्याख्यान दिया गया। डॉ. विजेता भालेराव ने अगले दिवस
Health, fitness and fashion पर रुचिकर प्रस्तुतिकरण
दिया। डॉ माया इंगले द्वारा fitness Nutrition & Assessment
में कुछ व्यायाम करके दिखाए गए तथा प्रतिभागियों को
अपनी fitness इनके माध्यम से check करने के तरीके
बताए। डॉ प्रिया चितलें द्वारा "Cardiac Health
and Nutrition" जैसे समकालीन और अत्यंत महत्वपूर्ण
विषय को कारण, पोषण की भूमिका और उपायों को
समझाया गया। पाठ्यक्रम के 10 वें दिवस Dr. Shashi
Prabha Jain द्वारा Health, Nutrition and Happiness
के संबंधों को बहुत प्रभावशाली तरीके से समझाया
गया। डॉ. रेखा शर्मा द्वारा 'malnutrition' विषय की
आधारीय जानकारी प्रतिभागियों को दी गयी। तथा अंतिम
दिवस डॉ० रचना गंगराड़े द्वारा छात्राओं को Food & Nutrition
विषय के scope तथा Dietetian career की विस्तारपूर्वक

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

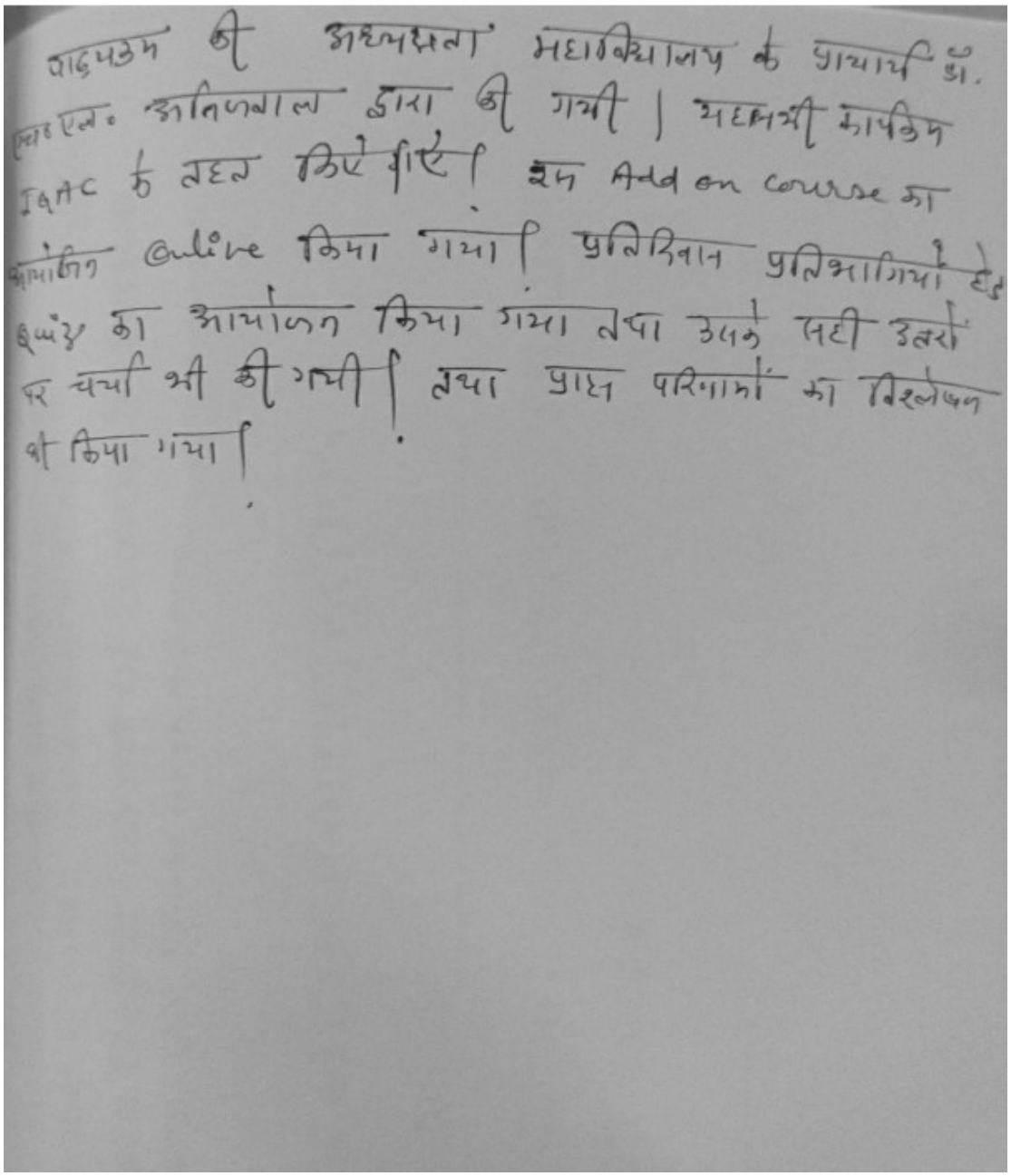

पाठ्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एच० एल० अनिजवाल द्वारा की गयी। यह सभी कार्यक्रम IQAC के तहत किए गए। इस Add on course का आयोजन Online किया गया। प्रतिदिन प्रतिभागियों हेतु क्विज़ का आयोजन किया गया तथा उनके सही उत्तरों पर चर्चा भी की गयी। तथा प्राप्त परिणामों का विश्लेषण भी किया गया।

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

रिपोर्ट

Add on Course

Lampshade & Lantern Making

01/02/2020 – 14/2/2020

गृहविज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 1 फरवरी 2020 से 12 दिवसीय "Lamp Shade & Lantern making" Add on course का आयोजन किया गया। पाठ्यक्रम के प्रथम दिवस LS & L making कला का परिचय दिया गया। द्वितीय दिवस LS&L बनाने हेतु आवश्यक पदार्थों के बारे में समझाया गया। पूर्ण पाठ्यक्रम समयावधि में Frames and Base structure Making की विधियाँ, तथा Lantern तथा Lampshade बनाने में लगने वाली विविध सामग्रियों का रचनात्मक उपयोग किस प्रकार किया जाए यह प्रतिदिवस बताया गया जैसे Ice cream sticks, Baloon shade, Disposable glass, Spoons, Bowl cups का उपयोग, Paper cutting कर Lantern बनाने की प्रक्रिया, Decorative fabric का उपयोग। Lamp shade बनाने हेतु fixing material का उपयोग किस प्रकार किया जाए तथा Bulb लगाने हेतु electrical connection तथा Holder की fixing सिखाई गयी। Lampshade तथा Lantern making में use of accessories जैसे Laces, glass pipes, Mirrors, tassels etc. का उपयोग उन्हें सुंदर तथा आकर्षक बनाने के लिए किस प्रकार किया जाए यह तरीके बताये गये। पाठ्यक्रम का संयोजन विभागाध्यक्ष डॉ. रेखा शर्मा ने किया तथा समस्त विभागीय सदस्यों का सहयोग प्राप्त हुआ।

[डॉ. रेखा शर्मा]

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

प्रतिवेदन

Add On Course - Soft Toy Making

12-9-2019 — 30-09-2019

गृहविज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 12/9/2019 से "Soft Toy
making" में एक Add on Course का आयोजन किया गया।
इस पाठ्यक्रम हेतु प्रशिक्षिका श्रीमती मीना गुप्ता रहीं।
Course के प्रथम दिवस छात्राओं को Soft Toys बनाना
सीखने का महत्व तथा स्वरोजगार के साधन के रूप में
उसके महत्व पर प्रकाश डाला गया। उद्घाटन दिवस पर
महाविद्यालय की पूर्व प्राचार्य डॉ० रेखा साहू उपस्थित रहीं।
द्वितीय दिवस छात्राओं को Soft Toys हेतु Pattern and
Modules की जानकारी दी गयी। तृतीय दिवस Soft Toy
making के लिए आवश्यक मेटेरियल तथा Tools के बारे
में विस्तार से बताया गया। चतुर्थ दिवस छात्राओं को
pattern बनाने की प्रक्रिया बतायी गयी। अगले दिवस में
Soft Toy में उपयोग में लाए जाने वाले Fabric Piles
और cutting direction के बारे में सिखाया गया।
छठे दिवस Soft Toy के different parts को sheet पर
draw करना तथा Measurement proportion के बारे
बताया गया। सप्तम दिवस paper pattern बनाकर तैयार
करना छात्राओं ने सीखा। इसी दौरान आठवें दिवस
Soft Toy बनाने के लिए Tools, drills cutter आदि
का प्रयोग छात्राओं को सिखाया गया। पाठ्यक्रम के
नवें दिन तथा दसवें दिन paper Modules for different
Soft Toys सिखाए। पाठ्यक्रम के 11 और 12 दिन में
छात्राओं ने Tortoise तथा teddy Bear, Soft Ball
तैयार की। पाठ्यक्रम के अंतिम दिवस प्रशिक्षिका द्वारा
छात्राओं की कठिनाईयों का समाधान किया गया।
Add on course convener डॉ० रेखा शर्मा थी। तथा
विभागाध्यक्ष डॉ. विभाग के सभी सदस्य श्रीमती नमिता
[illegible] वर्मा उपस्थित रहे।

[signature]

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

प्रतिवेदन

Add on course

Flower Arrangement

04/01/2020 - 11/01/2020

गृहविज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 4 जनवरी 2020 से 8 दिवसीय "Flower Arrangement" पर पाठ्यक्रम प्रशिक्षण का आयोजन किया। प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्रशिक्षिकाएँ डॉ. छाया हार्डिया तथा डॉ. रेखा सूर्यवंशी थी जिन्होंने विभागाध्यक्ष डॉ. रेखा शर्मा के मार्गदर्शन में Add on course का संचालन किया। पाठ्यक्रम की संपूर्ण अवधि में छात्राओं को Flower arrangement का अर्थ, महत्व, प्रकारों के बारे में बताया गया साथ ही Flower Arrangement के लिए आवश्यक material - Pin holder, Flower vase, Accessories etc के बारे में भी जानकारी दी गयी। छात्राओं को विभिन्न प्रकार के Flower तथा plant material, foliages के उपयोग व अन्य संबंधित जानकारियाँ दी गयी। छात्राओं को different colour schemes in flower arrangement बतायी गयी तथा Basic Rules of flower Arrangt. से अवगत करवाया गया। Elements of Art & Principles of design in Flower Arrangt., Line & Mass Arrangt. सिखाया गया। लगभग 20 छात्राओं ने पाठ्यक्रम में भागीदारी सुनिश्चित की।

[डॉ. रेखा शर्मा,
विभागाध्यक्ष]

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

Report-

Add on Course

Dyeing and Printing

02/12/2019 to 13/12/2019

गृहविज्ञान विभाग द्वारा 11 दिवसीय रंगाई छपाई पर Add on course का आयोजन किया गया। छात्राओं इस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में प्रशिक्षिका श्रीमती प्रियंका वर्मा थी। पाठ्यक्रम में छात्राओं रंगाई तथा छपाई का परिचय तथा स्वरोजगार हेतु इसका महत्व समझाया गया। छात्राओं को संपूर्ण पाठ्यक्रम के दौरान रंगों के प्रकार, रंगाई छपाई के पूर्व वस्त्रों को किस प्रकार तैयार किया जाता है, रंग के घोल का बनाना और छपाई हेतु Printing Paste किस प्रकार बनाया जाता है) रंगाई और छपाई में रंग योजनाओं का उपयोग, रंगाई की विधी, छपाई के प्रकार - ब्लॉक, स्टैंसिल, स्क्रीन प्रिंटिंग, Stencil तथा Screen का निर्माण, Tie & Dye की विधी, Block Printing - Printing Paste, Tray Prepare करना, Block का उपयोग करने की विधी, Placements of Blocks on fabric in different pattern, Border, Butas, Jal etc., Stencil Preparation and Printing Aftertreatment of Printed and dyed fabric.. faults of printing and dyeing and their remedies. and Problem solving session.

11 दिवसीय पाठ्यक्रम में विभागाध्यक्षा डॉ. रेखा शर्मा ने भी प्रशिक्षण दिया तथा मार्गदर्शन दिया। विभाग के अन्य सदस्य श्रीमती नमिता जैन, डॉ. आभा हाडिया, डॉ. ज्योत्सना तिवारी उपस्थित थे। लगभग 20 छात्राओं ने इस पाठ्यक्रम को पूर्ण कर प्रमाण-पत्र प्राप्त किये।

(signature)

(विभागाध्यक्ष)

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

Report

संगीत विभाग द्वारा (गायन-वादन नृत्य) Add on course के तहत एक 17 दिवसीय Work shop Relexion Through music दिनांक 03-09-18 से 21-09-18 तक आयोजित किया गया। जिसके तारतम्य में ----

ध्यान के द्वारा संगीत की आराधना के बारे में सविस्तार बताया गया जिसमें संगीत के विशुद्ध नाद के संदर्भ में इसकी मधुरता और मानव के मनमस्तिष्क पे इसके असर तथा होने वाले लाभों को बताया गया।

"नाद ब्रम्ह" अपने आप में ही एक सम्पूर्ण और परिपूर्ण संगीत योग साधना है जो जगत के प्रत्येक प्राणी पर असरदायक होता है जिसके कारण मानव लाभान्वित होता है।

इस 17 दिवसीय शिविर में सभी छात्राओं ने शारीरिक, मानसिक, योग सहित संगीत का लाभ लिया।

इस शिविर में डॉ. अर्चना परमार, डॉ. लोकेश वाहने, डॉ. प्रियंका वैद्य द्वारा गायन-वादन और नृत्य के द्वारा संगीत और ध्यान के अन्तर्सम्बन्ध को विस्तार से समझाया गया। और तबले पर संगत श्री राजेन्द्र कराड़कर ने की।

डॉ॰ अर्चना परमार
विभागाध्यक्ष संगीत

1) डॉ. लोकेश वाहने
2) डॉ. प्रियंका वैद्य

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

ADD-ON Course on Herbal products Preparation and Sale
Final Report

Department of Chemistry and Pharmaceutical Chemistry Govt. Girls' P. G. College, Ujjain organized 17 days (2hr. Per day) ADD ON Course on Cosmetic and Herbal Formulations From 20/1/2019 to 6/2/2019.

Main aim of the programme was to develop the manufacturing and product development skills in the students. Students could also understand the need of specific ingredients in the formulation and also the facts that how the amounts of ingredients affect integrity and quality of product. Students also learned about the sales management techniques.

Course was inaugurated by Dr. Ulka Yadav, Principal GGPGC, Ujjain. Theme of the Course was presented by Dr. Anita Manchandia, Head of the Department of Chemistry and Pharmaceutical Chemistry and Course Coordinator.

Session started on the same day in which Dr. Anita Manchandia explained about Good Laboratories Practices and how these standards are essential for quality productivity.

Second topic i.e., Good Manufacturing Practices was taken by Dr. G. D. Agrawal to explain the students about its standards and their importance in quality productions. In this Dr. Agrawal explained about the standards and IPR norms essential for the same.

In later sessions students learned about the basics of ingredients used in the formulations, their quality and their resources. Departmental faculty members explained about the manufacturing procedures to the students and showed them through practical sessions. After it hands on exercise was performed by the students to prepare the products.

Students also learned about label designing and packing of products.

After completion of the course students sold out their products through stall in career fair organized in the college. Students also took care of final account of sale.

Fifteen students benefited by this course. Course was conducted by Dr. Rasmi Bhargava, Dr. G. D. Agrawal, Mr. Dharmesh Rathore, Mrs. Kajal Pandey and Ms Mayuri Soner under the guidance of Dr. Anita Manchandia.

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L. Anijwal

ADD-ON Course on Herbal Cosmetics & Holi Colour Preparation and Sale

Final Report

Department of Chemistry and Pharmaceutical Chemistry Govt. Girls' P. G. College, Ujjain organized 19 days (2hr. Per day) ADD ON Course on Herbal Cosmetic & Holi Colour formulations From 19/2/2019 to 15/3/2019.

Main aim of the programme was to develop the manufacturing and product development skills in the students. Students could also understand the need of specific ingredients in the formulation and also the facts that how the amounts of ingredients affect integrity and quality of product. Students also learned about the sales management techniques. In this particular session along with the regular herbal products, students also prepared natural Holi colors with the use of Tesu, Rose, Marigold etc. The students also collected the feedback of their respective products and find out the need of improvement in product quality.

Course was inaugurated by Dr. Ulka Yadav, Principal GGPGC, Ujjain. Theme of the Course was presented by Dr. Anita Manchandia, Head of the Department of Chemistry and Pharmaceutical Chemistry and Course Coordinator.

Session started on the same day in which Dr. Anita Manchandia explained about Good Laboratories Practices and how these standards are essential for quality productivity.

Second topic i.e., Good Manufacturing Practices was taken by Dr. G. D. Agrawal to explain the students about its standards and their importance in quality productions. In this Dr. Agrawal explained about the standards and IPR norms essential for the same.

In later sessions students learned about the basics of ingredients used in the formulations, their quality and their resources. Departmental faculty members explained about the manufacturing procedures to the students and showed them through practical sessions. After it hands on exercise was performed by the students to prepare the products.

Students also learned about label designing and packing of products.

After completion of the course students sold out their products through stall in career fair organized in the college. Students also took care of final account of sale.

Fifteen students benefited by this course. Course was conducted by Dr. Rasmi Bhargava, Dr. G. D. Agrawal, Mr. Dharmesh Rathore, Mrs. Kajal Pandey and Ms Mayuri Soner under the guidance of Dr. Anita Manchandia.

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

ADD-ON Course on Herbal Formulations and Sale
Final Report

Department of Chemistry and Pharmaceutical Chemistry Govt. Girls' P. G. College, Ujjain organized 11 days (3hr. Per day) ADD ON Course on Herbal Formulations From 30/12/2019 to 25/1/2020. The final sale was organized on 28/1/2020 under the guidance of course coordinator Dr. Anita Manchandia in college campus.

Main aim of the programme was to develop the manufacturing and product development skills in the students. Students could also understand the need of specific ingredients in the formulation and also the facts that how the amounts of ingredients affect integrity and quality of product. Students also learned about the sales management techniques. Student also understand about manufacturing process, quality control techniques.

Course was inaugurated by Dr. Ulka Yadav, Principal GGPGC, Ujjain. Theme of the Course was presented by Dr. Anita Manchandia, Head of the Department of Chemistry and Pharmaceutical Chemistry and Course Coordinator.

Session started on the same day in which Dr. Anita Manchandia explained about Good Laboratories Practices and how these standards are essential for quality productivity.

Second topic i.e., Good Manufacturing Practices was taken by Dr. G. D. Agrawal to explain the students about its standards and their importance in quality productions. In this Dr. Agrawal explained about the standards and IPR norms essential for the same.

In later sessions students learned about the basics of ingredients used in the formulations, their quality and their resources. Departmental faculty members explained about the manufacturing procedures to the students and showed them through practical sessions. After it hands on exercise was performed by the students to prepare the products.

Students also learned about label designing and packing of products.

After completion of the course students sold out their products through stall in career fair organized in the college. Students also took care of final account of sale.

Fifteen students benefited by this course. Course was conducted by Dr. Rasmi Bhargava, Dr. G. D. Agrawal, Mr. Dharmesh Rathore, Mrs. Kajal Pandey and Ms Mayuri Soner under the guidance of Dr. Anita Manchandia.

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

Report

Department of chemistry and pharmaceutical chemistry of Government Girl's PG college Ujjain organized 15 days/30 hours value added course on "**common adulterants/contaminants in food and simple screening test for their detection**" from 6January 2020 to 22 January 2022.

On day one during Inauguration students were addressed by Dr Ulka Yadav, principal GGPGC and introduction to the need and scope of this course was given by Dr Anita Manchandia convener and HoD of chemistry and pharmaceutical chemistry.

On the second day student were informed about sample collection and types of adulterants and chemicals used for the identification or tests for different adulterants.

On 3rd day the students were informed about the various method to detect adulteration.

From 4th day onwards laboratory experiments were performed by students for identification of adulterants in milk, red chilli powder, turmeric powder, vanspati ghee, tea leaves, sugar, mawa, mustard and other edible oils, honey etc.

On last day students were also informed about **Food Adulteration Act 54** and punishment for such crime.

20 student were benefited by this course, Practical demonstration was given by Dr. Rashmi Bhargav, Dr Samina Qureshi, Dr Gopal Das Agrawal, Mr Dharmesh Rathore, Mrs Kajal Pandey and Miss Mayuri Soner.

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

ADD ON COURSE ON HERBAL FORMULATIONS, HAND WASH & HAND SANITIZER PREPRATIONS

Final Report

Department of Chemistry and Pharmaceutical Chemistry Govt. Girls' P. G. College, Ujjain organized 20 days (2hr. Per day) ADD ON Course on herbal Formulations, hand Wash and Hand Sanitizers Preparations and sales from 1/2/2020 to 10/3/2020.

Main aim of the programme was to develop the manufacturing and product development skills in the students and also provide some important preparations like hand wash and alcohol based hand sanitizer to fight against COVID. Students could also understand the need of specific ingredients in the formulation and also the facts that how the amounts of ingredients affect integrity and quality of product. Students also learned about the sales management techniques.

Course was inaugurated by Dr. Ulka Yadav, Principal GGPGC, Ujjain. Theme of the Course was presented by Dr. Anita Manchandia, Head of the Department of Chemistry and Pharmaceutical Chemistry and Course Coordinator.

Session started on the same day in which Dr. Anita Manchandia explained about Good Laboratories Practices and how these standards are essential for quality productivity.

Second topic i.e., Good Manufacturing Practices was taken by Dr. G. D. Agrawal to explain the students about its standards and their importance in quality productions. In this Dr. Agrawal explained about the standards and IPR norms essential for the same.

In later sessions students learned about the basics of ingredients used in the formulations, their quality and their resources. Departmental faculty members explained about the manufacturing procedures to the students and showed them through practical sessions. After it hands on exercise was performed by the students to prepare the products.

Students also learned about label designing and packing of products.

After completion of the course students sold out their products to the college staff and students. Alcohol based Sanitizer was the main attraction and students distributed it to college staff and students and create awareness between them. Students also took care of final account of sale.

Fifteen students benefited by this course. Course was conducted by Dr. Rasmi Bhargava, Dr. G. D. Agrawal, Dr. Sameena Qureshi, Mr. Dharmesh Rathore, Mrs. Kajal Pandey and Ms Mayuri Soner under the guidance of Dr. Anita Manchandia.

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L. Anijwal